मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 53 अंक 3 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मार्च 2017 बहाई वर्ष : 173–174

विश्व न्याय मन्दिर

बहाई समुदाय के भीतर और बाहर जो शक्तियाँ जन्म ले रही हैं उनसे उत्प्रेरित होकर, अनेकानेक दिशाओं से चलते हुए दुनिया के लोगों को एक–दूसरे के अधिकाधिक निकट आते देखा जा सकता है–एक ऐसी विलक्षण विश्व सभ्यता की ओर जिसके बारे में आज कोई भी कल्पना करना असम्भव होगा।

–12 दिसम्बर, 2012

चंडीगढ़ में विंटर स्कूल का आयोजन

क्षेत्रीय बहाई परिषद पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर ने 10 से 12 फरवरी, 2017 को चंडीगढ़ बहाई भवन में विंटर स्कूल का आयोजन किया, जिसमें क्षेत्र के सभी हिस्सों से लगभग सौ मित्रों ने भाग लिया। इस विंटर स्कूल के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विश्व न्याय मन्दिर के 29 दिसम्बर 2015 के संदेश के अनुसार पाँच वर्षीय योजना के लिए सामूहिक समझ दृढ़ करना था। इस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में श्री बी. अफशिन उपस्थित थे। श्री अफशिन के वक्तव्य के मुख्य विषय– 'चेतना की वास्तविकता', 'बच्चों की शिक्षा' और 'किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम' थे। इसके अलावा उन्होंने कोष में योगदान पर भी अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। सहायक मण्डल सदस्यों ने क्लस्टर में मूल–गतिविधियों की वास्तविकता पर प्रकाश डाला।

इस समारोह में सूरीनाम से आये दो अन्य महत्वपूर्ण अतिथि श्री जमशीद और श्रीमती सोइकर्तिनी अर्दजोमंदी उपस्थित थे, जो बहाई विश्व केन्द्र के विभिन्न पवित्र स्थानों के संरक्षक थे, उन्होंने 'बहाई पवित्र स्थलों' और 'दिव्य योजना की पाती' पर एक बहुत ही प्रेरणादायक पावर प्वायंट प्रस्तुति दी। सभी उपस्थित मित्रों ने इसका भरपूर आनंद और लाभ उठाया। हरियाणा में हुकूकुल्लाह की प्रतिनिधि श्रीमती मुमताज़ चंदन ने हुकूकुल्लाह पर अपनी प्रस्तुति दी।

चंडीगढ़ की सभा की ओर से एक शाम को 'विश्व शांति का आधार' विषय पर जनसभा का आयोजन किया गया। बच्चों, किशोरों और युवाओं के अभिभावकों को समारोह में आमंत्रित करने का मुख्य उद्देश्य उन्हें मूल–गतिविधियों में शामिल करना और उन्हें बहाई धर्म से परिचित करना था। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम–भक्तिपरक गीत, प्रार्थनायें, नृत्य और भांगड़ा आदि भी प्रस्तुत किया गया, जिसकी सराहना उपस्थित सभी मित्रों ने की।



चंडीगढ़ में आयोजित विंटर स्कूल में भाग लेने वाले प्रतिभागी

इस अंक में

तमिलनाडु और पुद्दुचेरी में बहाई बाल कक्षायें : समीक्षा बैठक

तमिलनाडु, पुद्दुचेरी और केरल में बहाई बाल कक्षाओं के विकास की समीक्षा के लिये दक्षिण क्षेत्र की एक बैठक सिवाकासी में सलाहकार श्री ओमिद के मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसमें पूरे क्षेत्र से 52 प्रतिभागी शामिल हुये। इस प्रकार की बैठक पिछले सात सालों से आयोजित की जा रही हैं, जिसके परिणाम मार्गदर्शक सिद्ध हुये हैं।

बैठक के दौरान कक्षाओं के पाठ, उनसे प्राप्त सीख और उनके मूल्यांकन की समीक्षा की गई और फिर आगे की योजना बनाई गई। सलाहकार ने कहा कि अब तक गुणवत्ता को बढ़ाना।

वैसे समुदायसमूहों के अनुभव भी साझा किये गये जिनमें सौ से अधिक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इनमें एक क्लस्टर है कायराज कॉलोनी जहाँ के सभी 78 बच्चे बाल कक्षाओं में आते हैं। यहाँ के सौ से भी अधिक परिवार समुदाय–निर्माण की गतिविधियों से जुड़े हैं। सहायक मंडल सदस्य पी. जे. कस्तुरी ने समुदाय के सभी 78 बच्चों के कक्षाओं में शामिल होने के कारणों की चर्चा करते हुये कहा कि कक्षाओं के शिक्षक, अनुप्रेरक और दस युवाओं ने क्षेत्र के सभी घरों में जाकर बहाई बाल



सिवाकासी में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

की प्राप्त उपलब्धियों और विकास की राह में आने वाली चुनौतियों से सम्बन्धित उठने वाले सवालों के जवाब वे अपनी कार्यशालाओं में तलाशें, ताकि बहाई बाल शिक्षा कार्यक्रम को प्रणालीबद्ध करने तथा उसे सुदृढ़ करने के उपाय ढूंढ़े जा सकें। पूरे क्षेत्र को विकास की प्रक्रिया में शामिल कर इस कार्यक्रम को एक सुदृढ़ आधार दिया जा सकेगा, ऐसी उम्मीद बैठक के समापन तक जगी।

दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में आयोजित पाँच दिनों के इस कार्यक्रम में जिन दो प्रमुख विषयों पर ध्यान केन्द्रित किया गया वे थे – बच्चों की कक्षा से सम्बन्धित पाँच क्षमताओं को सबलित करना तथा कक्षाओं की संख्या और कक्षाओं की उपयोगिता पर चर्चा की। यह सिलसिला कोई आठ दिनों तक चला और एक समय ऐसा आया कि पाँच से ग्यारह साल की उम्र के सभी बच्चे कक्षाओं में शामिल होने लगे। गाँव के सभी परिवारों के साथ अर्थपूर्ण वार्तालाप का यह परिणाम था। परिवारों को जब प्रभुधर्म का संदेश मिला तब उन्होंने युवाओं द्वारा किये जा रहे नेक काम में हर सम्भव सहायता देने का आश्वासन दिया और सहयोग का पहला कदम था अपने–अपने घरों के बच्चों को कक्षाओं के लिए भेजना और जब बच्चे कक्षाओं में आने लगे तो स्वाभाविक है माता–पिता ने भी प्रभुधर्म के सम्बन्ध में जानने की

शेष पृष्ठ 4 पर

प्रेरणादायक कविता

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण केन्द्र के सलाहकार श्री प्रवीण कुमार मल्लिक ने निम्नलिखित उद्धरण के आधार पर एक कविता लेखबद्ध की है, जिसे आपके साथ बांटने में हमें प्रसन्नता हो रही है।

''तुम उस पक्षी के समान हो जो अपने दृढ़ विश्वास और पंखों की शक्ति के सहारे दूर गगन के विस्तार में विचरण करता होता है और तब तक नीचे नहीं आता जब तक उसे जल और मिट्टी से अपनी क्षुधा शांत करने की आवश्यकता नहीं होती। तब अपनी इच्छा के जाल में उलझ कर वह वहां तक उड़ान भरने में अपने को असमर्थ पाता है जहां से वह आया था। अब तक जो स्वर्गिक उल्लास में विचरण कर रहा था, वही पक्षी अपने पंखों को बोझिल पाकर शक्तिहीन हो जाता है और धरती पर अपना घोंसला बनाने को बाध्य हो जाता है। अतः, हे मेरे सेवकों! अपने पंखों को भ्रम और मिथ्या इच्छाओं की मिट्टी से बोझिल न करो और इन्हें ईर्ष्या तथा घृणा की धूल से गंदा नहीं होने दो, अन्यथा तुम मेरे दिव्य ज्ञान के आसमान तक नहीं पहुंच पाओगे।''

नभचर नव गगन
नभचर
नव गगन
कर विचरण
कर गुंजन
गीत गगन
आनंद मगन
दिव्य प्रयाण
उच्च उड़ान
उड़ता रह
उड़ता रह

धरती धूल
प्यास भूख
रंग धूप
लोलुप
आभासी सुख
लोभ लालच
अवरोहन
अवरोहन

जल दाना
आना जाना
अंदर
बाहर
चलते
फिरते
चुगता रह
चुगता रह

शक्ति
आसक्ति
जल धरा धूमिल अंग
बोझिल बदरंग पंख
तड़प
तड़प

फड़फड़ाता रह
फड़फड़ाता रह

स्वप्न नभ
उच्च गगन
जीवन यथार्थ
धरती भूमि
घोंसला आँगन
भौतिक संबंध
चलता रह
चलता रह

अशक्त नभचर
लचर लाचार
जीवन भर
आह आह कर
पल पल जी
जीवन भर
भटकता रह
भटकता रह

दिव्य ज्ञान
जीवन पान
कर हर कोशिश
हर पल, पल पल
आज से कल बेहतर
सुबह से शाम बेहतर
मक़सद ज़िंदगी का
पाने को हर पल
ऊँची उड़ान को
दिव्य प्रयाण को
कर प्रयास
कर प्रयास
अनवरत
अनवरत

–प्रवीण कुमार मल्लिक

निवेदन

मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें अपने बहाई समाचारपत्र/बहाई न्यूज में प्रकाशित कर सकें। *धन्यवाद !*

रोम में बर्ली संस्थान का प्रतिनिधित्व

ग्रामीण महिलाओं के बहुमुखी विकास को समर्पित बर्ली विकास संस्थान के मुख्य परिचालन पदाधिकारी योगेश जाधव फरवरी महीने में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवम् कृषि संगठन के रोम स्थित मुख्यालय में आयोजित संचालन समिति की बैठक में समिति के एक सदस्य की हैसियत से भाग लेने गये, जहां से प्राप्त अंतर्दृष्टि और अनुभव को साझा करते हुये उन्होंने बताया, "रोम में आयोजित संचालन समिति की बैठक में मुझे जिम्मेदारी दी गई है कि दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया में वैश्विक पर्यावरण, वन, खाद्य–सुरक्षा और कृषि उत्पादों के विकास के लिये बर्ली संस्थान की ओर से काम करूँ। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। मुझे स्थानीय गैर–सरकारी संगठन (बर्ली संस्थान) के परिचालन अधिकारी और संयुक्त राष्ट्र की संचालन समिति के सदस्य की हैसियत से एक विस्तृत कार्य–क्षेत्र में सेवा देने का अवसर मिला है, जब मैं अपने तकनीकी ज्ञान और अनुभव को जनहित के लिये समर्पित कर सकूंगा।"

आशीर्वादित सौन्दर्य से सहायता की याचना करते हुये श्री जाधव ने भारत के बहाईयों से निवेदन किया है कि आप उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद करें और एक बहाई के रूप में पूरे बहाई समुदाय का नाम रोशन करने में ईश्वर की सहायता की याचना करें।



रोम में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

नासिक के धुले शहर में समीक्षा बैठक

महाराष्ट्र में धुले शहर में 15 जनवरी 2017 को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था। उस बैठक में सभी अनुप्रेरक, शिक्षक, युवाकिशोर और उनके अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम का संचालन वहाँ के दो स्थानीय मित्रों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ कुछ सुन्दर प्रार्थनाओं के साथ हुआ, उसके बाद उन्होंने सहायक मंडल सदस्य किशोर पाथरे ने उपस्थित लोगों को मार्गदर्शित किया। उन्होंने बताया कि कैसे इस समुदाय के युवा अपने समुदाय के निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। बहाई गतिविधियों के बारे उपस्थित लोगों को भी बताया और उसके बाद वहां के एक संयोजक श्री सिद्धान्त पवार ने प्रशिक्षण संस्थान के कार्यों के बारे में अवगत कराया। समुदाय विकास समिति के कुछ मित्रों ने वहाँ के लोगों के सामने अपना अनुभव बांटा, वहां के सभी लोग सबको बहुत ध्यान से सुन रहे थे।

धुले शहर के दो शिक्षकों ने अपने–अपने अनुभवों को उन लोगों के साथ बांटा जो बहुत प्रेरणादायी थे। कैसे उन्होंने पुस्तक 1 और 3 का अध्ययन कर समुदाय निर्माण में अपना सहयोग दे रहे है ये भी बताया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने सहकारी खेल खेले और बहाई मित्रों ने कोष में अपना योगदान भी दिया।



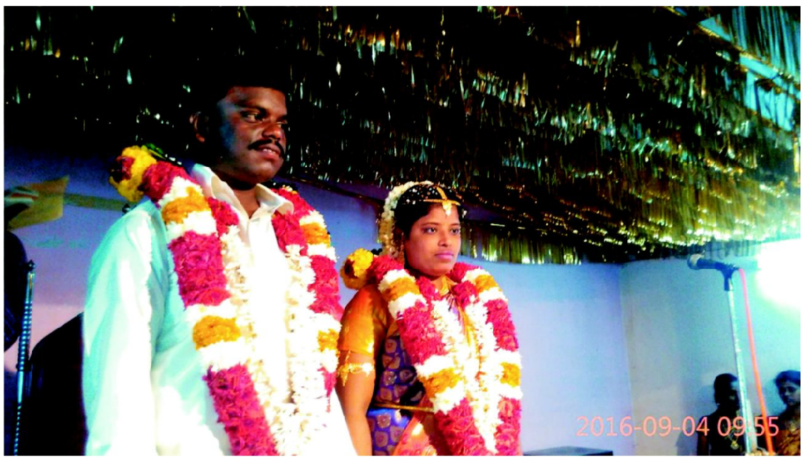
धुले में आयोजित समीक्षा बैठक के प्रतिभागी

बहाई विवाह

बहाई विवाह

"बहाई विवाह दो पक्षों के बीच मृदुल मिलन और स्नेहपूर्ण सम्बन्ध है, लेकिन उन्हें (विवाह बंधन में बंधने वाले स्त्री–पुरूष को) अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिये और एक दूसरे के चरित्र से सुपरिचित हो जाना चाहिये। एक सुदृढ़ संविदा द्वारा यह चिरंतन बंधन संरक्षित कर लिया जाना चाहिये और उद्देश्य होना चाहिये मधुर सम्बन्ध, साहचर्य और एकता तथा अनन्त जीवन को बढ़ावा देना।" –अब्दुल–बहा

यह सभी बहाई विवाह क्षेत्रीय बहाई परिषद तमिलनाडु एवं पुदुचेरी में आयोजित हुए हैं।



श्री सुन्दरमुर्थी और सुश्री मल्लिगा का विवाह 4 सितम्बर, 2016 को तमिलनाडु में विरूधनगर क्लस्टर के मोलीपट्टी गांव में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



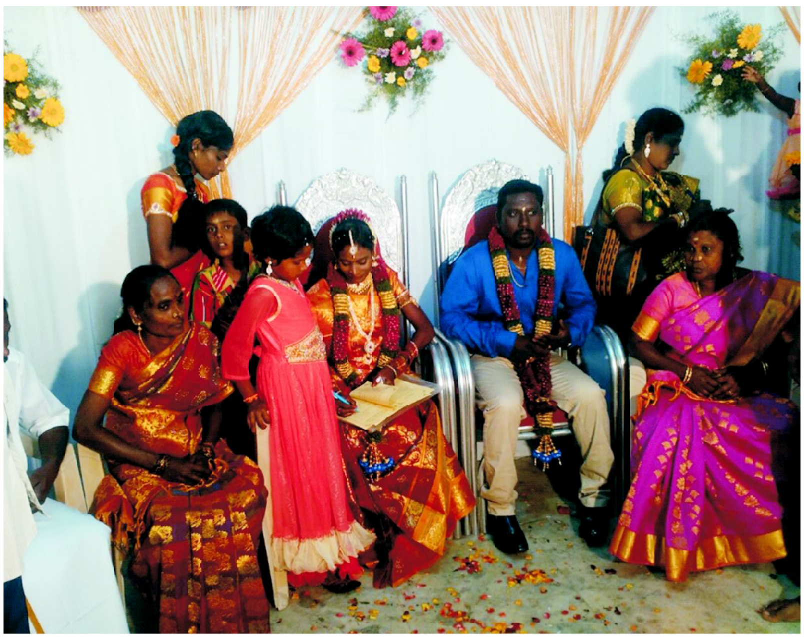
सुश्री कलाईवानी और श्री गोपाल का विवाह 22 जनवरी, 2017 को पुदुचेरी में बहौर क्लस्टर के कन्नीकोइल गांव में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री प्रेमकुमार और सुश्री शिवारणजीनी का विवाह 6 फरवरी, 2017 को तमिलनाडु में वेल्लूर में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



तमिलनाडु की सुश्री रूगनाप्रिया और श्री राजकुमार का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा मदुरई के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार 16 फरवरी, 2017 को सम्पन्न हुआ।



सुश्री इलावारसी और श्री राजकुमार का विवाह 9 फरवरी, 2017 को पुदुचेरी में बहौर क्लस्टर के वरकलोदई गांव में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



सुश्री अरूलजोथी और श्री अरूलमुरूगन का विवाह 1 फरवरी, 2017 को कुरिंजीपाडी क्लस्टर के टी. के. पट्टीनम गांव में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17

जयपुर में आयोजित गतिविधियों की झलक

• राज्य बहाई परिषद द्वारा दो दिवसीय संस्थागत बैठक का आयोजन बापू नगर स्थित बहाई भवन में किया गया। राज्य बहाई परिषद के अध्यक्ष संजय शर्मा ने सभी का स्वागत किया। हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, फारसी भाषाओं में प्रार्थना के साथ बैठक की शुरूआत हुई और सभी ने अपना परिचय गया। इस पर मित्रों ने अपने–अपने विचार भी व्यक्त किए। उसके बाद मित्रों ने शिवदासपुरा, चाकसू, टोडाभीम, जयपुर और जोधपुर समुदायों के लिए एक साल की योजना तैयार की। बैठक में जोधपुर, चाकसू, जयपुर, लखनऊ और इंदौर से मित्रों ने भाग लिया।

• स्थानीय आध्यात्मिक सभा



जयपुर में आयोजित संस्थागत बैठक के प्रतिभागी

दिया। तत्पश्चात् परिषद सचिव सहर हगीगत अनवरी ने वर्ष 2016 में की गई गतिविधियों के बारे में बताया। राज्य प्रशिक्षण संस्थान के सचिव बनवारी चंदवाड़ा ने भी पिछले एक वर्ष की गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में हमारे बीच पधारे सलाहकार श्री दृगपाल सिंह ने सम्बोधित करते हुए सभी का जयपुर द्वारा एक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें ईरान से पधारे लगभग 50 मित्रों ने भाग लिया। समारोह की शुरूआत प्रार्थनाओं के साथ हुई। स्थानीय आध्यात्मिक सभा के अध्यक्ष डॉ. नेजात हगीगत ने सभी का स्वागत किया।

समारोह के दौरान सहर



ईरानी बहाई मित्रों के साथ जयपुर के बहाई मित्रगण

मार्गदर्शन किया। हम अपने समुदाय को कैसे और आगे ले जा सकते हैं इसके बारे में बताया। बैठक के दौरान विश्व न्याय मंदिर के प्रपत्र से कुछ अंश पढ़े गए जैसे ''निकटवर्ती क्लस्टरों के समूहों की वास्तविकता का वर्णन करना''। ''मानव संसाधन विकास को सशक्त करना'' आदि का अध्ययन किया हगीगत अनवरी ने भी सभी को सम्बोधित किया। ईरानी बहाई सभी के प्रेम तथा स्नेह को देखकर काफी अभिभूत हुए। समारोह के दौरान हेमराज द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। साथ ही कुछ बहाई मित्रों द्वारा अपना अनुभव भी सांझा किया गया। समारोह का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।

प्रभुधर्म का संदेश देने का सुअवसर

जब पुणे के विदेश पंजीकरण कार्यालय में अपने किसी काम से स्थानीय बहाई फरहमंद पुलिस इंस्पेक्टर श्री कदम से मिले और अपने बहाई होने की बात कही तो बहाई धर्म के विषय में जानकारी पाने की श्री कदम की उत्सुकता कुछ इस कदर बढ़ गई कि दूसरी सुबह उन्होंने पुणे की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यों को आमंत्रित किया और



बहाई धर्म के विभिन्न पहलुओं पर, खास कर बहाई शिक्षाओं पर विस्तार से बातें की। संयोगवश बहाई धर्म का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि के मित्र थे, जिन्हें एक साथ देखकर उन्हें आश्चर्य हुआ।

इस प्रकार एक विश्वव्यापी धर्म का संदेश देने का एक अच्छा अवसर पुणे के बहाईयों को मिला।

तमिलनाडु और पुद्दुचेरी में बहाई बाल कक्षायें : समीक्षा बैठक

पृष्ठ 1 का शेष

इच्छा प्रकट की। इस प्रकार अनेक ग्रहणशील लोग मिले जिन्हें प्रभुधर्म का संदेश दिया जा सका। परिणाम निकला कि वे स्टडी सर्कल में शामिल होने लगे। स्वाभाविक था कि बढ़ती हुई माँग के अनुरूप बच्चों की कक्षाओं के शिक्षक तथा अन्य गतिविधियों के संचालन के लिये बड़ी संख्या में लोगों को प्रशिक्षित किया जाये। इसलिये मानव संसाधन को बढ़ाने का सिलसिला भी चल पड़ा।

शिक्षक तैयार हुये, उन्हें कक्षाओं के लिए प्रशिक्षित किया गया और लक्ष्य रखा गया कि बच्चों के बाद अब क्षेत्र के सभी किशोरों को किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम के साथ इस वर्ष के अंत तक जोड़ लिया जाये।

कामराजार कॉलोनी के प्रेरक अनुभव ने अन्य समुदायसमूहों को भी बल दिया और सब ने यह संकल्प लिया कि क्षेत्र के बच्चो और किशोरों की पूरी आबादी को बहाई गतिविधियों से जोड़ने के बाद उनकी कोशिश रहेगी वयस्कों को स्टडी सर्कल के माध्यम से गतिविधियों से जोड़ना ताकि पूरा का पूरा क्षेत्र समुदाय–निर्माण की दिशा में आगे बढ़ सके और समाज में वह परिवर्तन आये जो बहाउल्लाह चाहते हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–20
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.03. 2017
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कमार)